वार्तालाप-590, पुणे, दिनांक 23.06.08
Disc.CD No.590, dated 23.06.08 at Pune
Extracts-Part-1

समयः 00.28-01.50

जिज्ञासुः बाबा, मनुष्य की आत्मा शरीर छोड़ने के बाद कितने समय में दूसरा जन्म लेती है?
बाबाः एक सेकण्ड में। जन्म तो लेती है 3-4 महीने के बाद। लेकिन प्रवेश कर जाती है गर्भ में। एक सेकण्ड में गर्भ में प्रवेश कर जाती है। उससे 4 महीने पहले से शरीर तैयार हो रहा है उसका। तब से इंतज़ार हो रहा है।
जिज्ञासुः और जो हिन्दू धर्म में कहा है कि 13 दिन तक आत्मा भटकती रहती है।
बाबाः हिन्दू कुछ कहते हैं, अंग्रेज कुछ कहते हैं, मुसलमान कुछ कहते हैं, ईसाई कुछ कहते हैं, पारसी कुछ कहते हैं। ये तो अपनी-अपनी मान्यता है। सच्चाई तो बाप आके बताते हैं।

Time: 00.28-01.50
Student: Baba, after how long does a human soul have another birth after leaving its body?
Baba: In a *second*. It is born after three - four months. But it enters the womb. It enters the womb in a *second*. Its body is becoming ready four months beforehand. It (body) is waiting [for the soul] since then.
Student: And it has been said in the Hindu religion that the soul wanders for 13 days.
Baba: The Hindus say something; the Englishmen say something; the Muslims say something; the Christians say something [and] the Parsis say something. This is their individual belief. It is the Father who comes and tells the truth.

दूसरा जिज्ञासुः दादी को रखा था ना 12 दिन। माउंट आबू में ही रखा था। वो सच नहीं है?
बाबाः माने सब मनुष्य 12 दिन रखा करें मुर्दे को घर में?
दूसरा जिज्ञासुः मुर्दे को नहीं आत्मा को।
बाबाः आत्मा को क्यों रखा हुआ था?
दूसरा जिज्ञासुः मुरली में बताया ना बाबा ने।
बाबाः बताया कि दस बारह दिन दादी की आत्मा हमारे साथ रहेगी। इसके बाद ये अपने ग्रुप में जाके सेवा करेंगी।

Another student: Dadi was kept for 12 days, wasn't she? She was kept for 12 days in Mount Abu itself. Is that not true?
Baba: Does it mean that all human beings should keep the corpse at home for 12 days?
Another student: Not the dead body, the soul.
Baba: The soul was kept?
Another student: Baba has said in the murli.
Baba: It was said that Dadi's soul will be with us for ten-twelve days. After that she will go to her *group* to serve.

समयः 02.01-02.34

जिज्ञासुः बाबा, संगमयुगी कृष्ण का जन्म बुद्धि रूपी पेट से होगा या जिस्मानी पेट से होगा?

बाबाः फिर संगमयुगी कृष्ण काहे का अगर पेट से पैदा हो तो? ये तो बुद्धि रूपी पेट की ही बात है। जन्म होना माना प्रत्यक्ष होना। वो हद की प्रत्यक्षता नहीं है। बेहद की प्रत्यक्षता है संसार में। अंग्रेज लोग भी लॉर्ड कृष्ण को मानेंगे।

Time: 02.01-02.34

Student: Baba, will the Confluence Age Krishna be born through the womb like intellect or through the physical womb?

Baba: (Baba is laughing.) Then, how can he be the Confluence Age Krishna if he is born through the [physical] womb? It is about the womb like intellect itself. To be born means to be revealed. It is not revelation in a limited sense. It is about revelation in an unlimited sense in the world. The Englishmen will also accept Lord Krishna.

समयः 03.00-04.05

जिज्ञासुः बाबा, बाप कहते हैं मैं किसी को सुख भी नहीं देता हूँ, किसी को दुःख भी नहीं देता हूँ।

बाबाः ठीक है।

जिज्ञासुः फिर सुखकर्ता, दुःखहर्ता ये गायन किसका है?

बाबाः ये तो भक्त लोगों ने गाया है। सुखदाता...। ज्ञानी आत्माएं तो जानती हैं कि बाबा तो सिर्फ श्रीमत देने आते हैं। जो श्रीमत पे चलेंगे उनको जन्म-जन्मान्तर सुख मिलेगा। और श्रीमत की अवहेलना करेंगे, मनमत पर चलेंगे, मनुष्यों की मत पर चलेंगे तो जन्म-जन्मान्तर दुःख मिलेगा। तो ज्ञानी आत्माएं तो इस बात को समझती हैं। लेकिन यहाँ भी बच्चों में कोई ज्ञानी आत्माएं नहीं बनते हैं। ये हर समय बुद्धि में नहीं रहता है 84 जन्मों का हिसाब-किताब तो फिर भक्ति के बहाव में आ करके ऐसे कह देते हैं कि शिवबाबा सुख देता है, शिवबाबा दुःख देता है। वास्तव में शिवबाबा तो न किसी को देता है कुछ, न कुछ लेता है। वो सिर्फ पढ़ाई पढ़ाने आता है बस।

Time: 03.00-04.05

Student: Baba, the Father says: I give neither happiness nor sorrow to anyone.

Baba: It is correct.

Student: Then to whom is this praise applicable: Giver of happiness (*sukhkartaa*) and Remover of sorrow (*dukhhartaa*)?

Baba: It is the devotees who have praised this. The Giver of happiness... The knowledgeable souls certainly know that Baba comes only to give shrimat. Those who follow shrimat will receive happiness for many births. And if they violate shrimat, if they follow the opinion of their mind, if they follow the opinion of the human beings then they will receive sorrow for many births. So, knowledgeable souls understand this topic. But even here among the children, some do not become knowledgeable souls or the karmic accounts of the 84 births do not remain in their intellect; so, they say under the influence of *bhakti* that Shivbaba gives

happiness and Shivbaba gives sorrow. Actually, Shivbaba neither gives, nor does He take anything from anyone. He just comes to teach the knowledge. That's all.

समयः 04.07-05.30

जिज्ञासुः बाबा, वशिष्ठ मुनी का अर्थ क्या है?

बाबाः इस्थ। जैसे युद्ध स्थिर; युद्ध में स्थिर रहा। ऐसे ही वशिष्ठ माना विशेष रूप से स्थिर रहने वाला। विश्वामित्र में और वशिष्ठ में लड़ाई हुई। तो कौन हिल गया? (जिज्ञासु - विश्वामित्र हिल गया।) विश्वामित्र हिल गये। और वशिष्ठ? (जिज्ञासु - स्थिर रहा।) स्थिर रहे। कौनसी पावर है? (जिज्ञासु - पवित्रता।) प्यूरिटी की पावर है। विश्वामित्र क्षत्रिय थे। क्षत्रिय माना फेलियर। काहे बात में फेलियर? (जिज्ञासु - पवित्रता।) प्योरिटी में फेलियर, लंगडे। और वशिष्ठ जी? प्यूरिटी के पक्के। तो विशेष रूप से जो पवित्रता की बात में स्थिर रहने वाला है वो वशिष्ठ हो गया।

Time: 04.07-05.30

Student: Baba, what is the meaning of Vashishth *muni*?

Baba: *Isth*. For example, *yuddha sthir*. He remained constant (*sthir*) in war (*yuddh*). Similarly, Vashi**shth** means the one who remains constant in a special way. A war broke out between Vishwamitra and Vashishth. So, who shook? (Student: Vishwamitra shook.) Vishwamitra shook. And Vashishth? (Student: He remained constant.) He remained constant. So, which *power* is it? (Student: Purity.) This is the *power* of *purity*. Vishwamitra was a *Kshatriya*[1]. *Kshatriya* means *failure*. *Failure* in what? (Student: Purity.) *Failure*, lame with respect to *purity*. And Vashishth*ji*? He was firm about *purity*. So, the one who remains constant in the subject of purity in a special way is Vashishth.

समयः 05.40-07.00

जिज्ञासुः बाबा, चक्रव्यूह का ज्ञान में क्या राज़ है?

बाबाः चक्रव्यूह रचा सो गलत रचा क्या? चक्रव्यूह सेना का एक ऐसा चक्र रच दिया कि जिस चक्र को तोड़ना सब कोई नहीं जानते हैं। या तो अश्वत्थामा जानता। अश्वत्थामा को सिखाया लेकिन उसकी समझ में तो आया नहीं। और अर्जुन को? अच्छी तरह समझ गया वो। लेकिन अर्जुन ने जो सुनाया वो गर्भ में अभिमन्यु ने सुन लिया। बाद में माताजी सो गई। माताजी सो गईं तो बच्चा भी सो गया। तो वो नालेज अधूरी रह गई। जो चक्र तैयार किया था, सेना का व्यूह तैयार किया था, वो व्यूह में फंस गया। फंस क्या गया, वो तो चालाकी कर दी। फंसा दिया।

[1] warrior

Time: 05.40-07.00
Student: Baba, what is the secret of *cakravyuh* in knowledge?
Baba: A *cakravyuha* (a war formation) was formed; so, was it wrong? *Cakravyuha*, means such a formation of the army was set that everyone did not know how to break that formation. Either Ashwathama knew it... Ashwathama was taught, but he did not understand it. And Arjun? He understood properly. But Abhimanyu (Arjun's son) heard in the womb whatever Arjun narrated. Later on his (Abhimanyu's) mother fell asleep. When the mother slept, the son slept too. So, that *knowledge* remained incomplete. He (Abhimanyu) was entangled in the *cakra* (circle), in the formation of the army that was set up. He did not become entangled; they (the Kauravas) showed cleverness and entangled him.

समयः 07.30-07.50

जिज्ञासुः अष्ट रतन 108 माला में आते हैं क्या?

बाबाः अष्ट देव आयेंगे (तो) अष्ट रतन नहीं आएंगे?

जिज्ञासुः नहीं आयेंगे 108 में?

बाबाः क्यों? जब 12-12 के मुखिया हैं तो नहीं आएंगे? वो अपने-अपने धर्म के मुखिया हैं ना।

Time: 07.30-07.50
Student: Are eight gems included in the rosary of 108?
Baba: If the eight deities are included, then will the eight gems not be included?
Student: Won't they be included in [the rosary of] 108?
Baba: Why? When they are the chiefs of [the group of] 12 each, then will they not be included? They are the heads of their religions, aren't they?

समयः 08.10-08.40

जिज्ञासुः बाबा, देवताओं का खानपान सूक्ष्म होता है माना?

बाबाः माना ज्यादा नहीं खाते हैं। जैसे बढ़िया भोजन बन गया तो हबस से खूब खा लिया। नमक मिर्च मसाला डाल के। ऐसे उनको, देवताओं को कोई हबस नहीं होती है। नेचुरल जो फल-फूल मिलते हैं बस उन्हीं से संतुष्ट रहते हैं।

Time: 08.10-08.40
Student: Baba, the food of the deities is subtle; what does it mean?
Baba: It means that they do not eat more. For example, if the food is very nice, then someone eats greedily adding salt, pepper and spices. They, the deities do not have such greed. They remain satisfied with the *natural* fruits and flowers that they get.

समयः 08.51-09.56

जिज्ञासुः बाबा, ...समझो दोनों ज्ञान में नहीं हैं तो नई आत्माओं को, माताओं को संदेश भाई नहीं दे सकते हैं क्या? घर में दोनों ज्ञान में नहीं हैं। एक ही ज्ञान में चल रहा है।

बाबाः एक ज्ञान में चल रहा है। एक ज्ञान में नहीं चल रहा है। युगल नहीं हैं। क्या और माताएं सब नापैद हो गईं? और माताएं भी तो हैं दुनियां में कि नहीं है?

जिज्ञासुः समझो नहीं मिलती हैं।

बाबाः कैसे नहीं मिली? संगठित होके सेवा नहीं की जाती है क्या?

Time: 08.51-09.56
Student: Baba, new souls… suppose, both are not in knowledge, then can't the brothers give message to the new souls, to the mothers? Both do not follow the knowledge at home. Only one follows the knowledge.
Baba: One follows the knowledge and the other does not follow the knowledge. His *yugal* (partner) does not follow the knowledge. Have all the other mothers become extinct? Are there other mothers in the world or not?
Student: Suppose we did not find any.
Baba: How did you not find one? Isn't the service done collectively?

जिज्ञासुः संदेश देना और कोर्स कराना।

बाबाः संदेश किसी को भी दो।

जिज्ञासुः संदेश देना है लेकिन...।

बाबाः संदेश देना है सिर्फ। संदेश तो किसी को भी...। संदेश देने में कितनी देर लगती है? बाबा आया हुआ है। भगवान आया हुआ है। पुरानी दुनियां का विनाश होने वाला है। नई दुनियां की स्थापना होने वाली है। ये संदेश देने में कोई ज्यादा टाइम नहीं लगता ।

जिज्ञासुः कोर्स नहीं कराना है।

बाबाः हाँ।

Student: Giving message and giving the course...
Baba: You can give only the message.
Student: You have to give the message, but...
Baba: You have to give just the message. You can [give] message to anyone. How much time does it take to give the message? Baba has come. God has come. The old world is going to be destroyed. The new world is going to be established. It does not take much time to give this message.
Student: We should not give the course.
Baba: Yes. ... (to be continued.)

Extracts-Part-2

समयः 10.00-11.04

जिज्ञासुः राम-सीता, शंकर-पार्वती, लक्ष्मी-नारायण सब एक हैं क्या?

बाबाः ☺ राम-सीता फेलियर का नाम है। एक कैसे हैं? जो फेल हो गए तो राम सीता। शंकर-पार्वती, उनका तो पार्ट ही मिक्स है। शंकर माने? मिक्स। एक आत्मा नहीं पार्ट बजा रही है। (किसी ने कहा- शिव, राम, कृष्ण।) हाँ। तो वो शंकर नाम पड़ गया और नारायण जब नाम पड़ता है तो सम्पूर्ण हो गया। पुरुषार्थ की बात नहीं रही। इसलिए शास्त्रों में नारायण को

अलग दिखाय दिया है। राम-सीता को? त्रेता में दिखाय दिया है। शंकर-पार्वती को सूक्ष्म वतन में, कैलाश पर्वत पर दिखाय दिया है।

Time: 10.00-11.04
Student: Are Ram - Sita, Shankar - Parvati, Lakshmi - Narayan one and the same?
Baba: (Baba is laughing) Ram and Sita is the name of failures. How can they be one? Those who failed [became] Ram and Sita. As regards Shankar and Parvati, their *part* itself is *mix*. What does Shankar mean? *Mix*. Not only one soul is playing the *part* [through Shankar]. (Someone said: Shiva, Ram and Krishna.) Yes. So, he was named Shankar. And when he is named Narayan, then he is complete. There is no question of making *purushaarth*[2]. This is why Narayan is shown to be different in the scriptures. And what about Ram and Sita? They have been shown in the Silver Age. Shankar and Parvati have been shown in the subtle world, on the Mount Kailash.

समयः 11.25-13.10
जिज्ञासुः अमरनाथ में बर्फ की शिवलिंग होता है ना वो क्या है?
बाबाः बर्फ का लिंग। हाँ। तो?
दूसरा जिज्ञासुः उसकी ऊँचाई कम होती जा रही है।
बाबाः ऊँचाई कम? अभी तो खतम ही हो गया था पहले। अभी और लंबा चौड़ा बनने लगा। बर्फ का लिंग कहीं होता है? अच्छा नाक बर्फ की बना दो। लिंग तो... गर्मी होती है उसमें या ठण्डा होता है? उसमें तो गर्मी होती है। जब गर्मी होती है तो मार करता है। और ठण्डा होगा, इन्द्रियाँ शीतल होंगी तो मार नहीं करेंगी । तो एक शिव ही है और कोई देवता नहीं है जिसका लिंग पूजा जाता हो। वो ऐसी स्टेज बनाई है। इसलिए मुरली में बोला ब्राह्मण बच्चा जाता था और लिंग बनाय देता था। वो बात थोड़े ही है। बाबा ने तो इशारा दिया कि तुम ब्राह्मण बच्चों में से ही कोई ब्राह्मण बच्चा है जिसमें शिव कि प्रवेशता होती है। प्रैक्टिस करता है इन्द्रियों को शीतल बनाने की, याद में रहकर, तो वो अवस्था बन जाती है। सवेरे-सवेरे बनाता है। सवेरे का मतलब? (जिज्ञासु - अमृतवेला।) अमृतवेला। अमृतवेला माना? ये सारा संगमयुग अमृतवेला है।

Time: 11.25-13.10
Student: There is a *Shivling* of ice in Amarnath, isn't there? What is that?
Baba: A *ling* made up of ice. Yes. So?
Another student: Its height is decreasing.
Baba: Height is decreasing? Recently it had completely vanished. Now it has started increasing in height and width. Is there a *ling* of ice anywhere? *Acchaa*, make the nose of ice. Is a *ling* (phallus) hot or cold? It is hot. When it is hot it attacks. And if it is cold, if the organs are cool, then they will not attack. It is Shiva alone and no other deity whose *ling* is worshipped. He has achieved such a *stage*. This is why it has been said in murli: A Brahmin child used to go and prepare a *ling*. It is not so. Baba gave a hint that there is a Brahmin child

[2] Spiritual effort

among you Brahmin children whom Shiva enters. He practices to make the *indriyaa*[3] cool by remaining in remembrance. So he attains that stage. He makes it early in the morning. What is meant by early morning? (Student: *Amritvelaa.*) *Amritvelaa*. What is meant by *Amritvelaa*? This entire Confluence Age is *Amritvelaa.*

समयः 14.55-16.21

जिज्ञासुः बाबा, बीमारियाँ बहुत आ रही हैं।

बाबाः बीमारियाँ बहुत आ रही हैं? अब योगबल से चुक्तु नहीं करेंगे तो बीमारियों से चुक्तु कर लो। अच्छी बात है ना। धर्मराज की सज़ाओं से तो अच्छी है ना। धर्मराज की सज़ाओं से तो पद भी नीचा हो जाएगा और तकलीफ भी बहुत ज्यादा होगी। धर्मराज की सज़ाओं में तकलीफ ज्यादा होगी और अभी जो कर्मभोग भोग रहे हैं शरीर के इस में इतनी तकलीफ नहीं है। आजकल तो डाक्टर लोग चीरफाड़ करके सब बराबर कर देते हैं।

जिज्ञासुः दवा भी नहीं खा रहे।

बाबाः क्यों नहीं खा रहे? मना कर दिया क्या?

जिज्ञासुः हजम नहीं हो रहा है।

Time: 14.55-16.21
Student: Baba, I am suffering from a lot of diseases.
Baba: You are suffering from a lot of diseases. If you do not settle [sins] through the power of yoga, then settle it through diseases. It is good, isn't it? It is better than the punishments of Dharmaraj, isn't it? The position will also become low through the punishments of Dharmaraj. And you will experience a lot of pain as well. You experience more pain through the punishments of Dharmaraj. And the karmic suffering of body that you are facing now does not cause much pain. Nowadays doctors do operation and make everything ok.
Student: I am not even taking medicines.
Baba: Why aren't you taking [medicines]? Have you been stopped [from doing so]?
Student: I am unable to digest it.

बाबाः हजम नहीं हो रहा है तो आयुर्वेदिक दवा खाओ। होम्योपैथी की दवा तो हज़म हो जाती है। होम्योपैथी की दवा हज़म होती कि नहीं? हज़म हो जाती है। नैचुरोपैथी का इलाज कराओ। हारिये न हिम्मत, बिसारिये न राम। क्या? (जिज्ञासु- हिम्मत नहीं हारते हैं।) फिर ऐसे क्यों कहते हो कि हम दवा नहीं खाते? (जिज्ञासु - नहीं, तकलीफ होती है दवा खाने से।) ऐलोपैथी की दवा मत खाओ। (जिज्ञासु - नहीं, खाती ही नहीं।) दूसरे तरह की दवा ले लो। दवा खाएंगे ही नहीं। ये तो हठयोग हो गया। (जिज्ञासु - ये तो हठयोग है।) हाँ, दवा नहीं खाएंगे, हम पानी नहीं पीएंगे। ये सब हठयोग ही तो है।

Baba: If you are unable to digest them (allopathic medicines), consume Ayurvedic medicines. Homeopathic medicines are easily digestible. Are homeopathic medicines digestible or not? They are digestible. You can do naturopathy treatment. Do not lose courage and do not forget Ram (*haariye na himmat, bisaariye na Ram*). What? (Student: I don't lose courage.) Then

[3] Parts of the body

why do you say that you don't consume medicines? (Student: No, I have problem on taking medicines.) So, do not consume allopathic medicines. (Student: No, I don't consume any medicine at all.) Consume other kind of medicine. [If you think:] I will not take medicine at all. This is obstinacy (*hathyog*). (Student: It is *hathyog*.) Yes, [If you think:] I will not consume medicine. I will not drink water. All this is *hathyog*.

समयः 16.26-18.03

जिज्ञासुः बाबा, रुद्रमाला के मणके पुरुष चोला धारण करेंगे। तो क्या 21 जन्म पुरुष चोला...
बाबाः पुरुष चोला धारण करेंगे? रुद्रमाला के मणके कोई स्त्री चोले में हैं। तो जो स्त्री चोले में हैं अगर रुद्रमाला के पक्के बन गए तो उनको पुरुष चोला मिल जावेगा क्योंकि उनके अन्दर संस्कार जन्म-जन्मान्तर के पुरुष वृत्ति के हैं। स्त्री के, आधीन होने के संस्कार नहीं हैं। कोई यहाँ भी अनुभव करते होंगे। क्या? पति उनको कितना भी कंट्रोल करना चाहे वो कंट्रोल से बाहर। वो चाहे प्रजापिता और प्रजामाता ही क्यों न हो। संस्कार देखने में जरुर आएंगे। (जिज्ञासु - श्रीमत के खिलाफ होगा।) श्रीमत के खिलाफ क्या होगा? क्या खिलाफ होगा? (जिज्ञासु - बाबा के खिलाफ अगर तुमने अपना ही डायरेक्शन शुरु किया तो खिलाफ होगा ना।) अपना ही डायरेक्शन शुरु किया? अब कौन अपना डायरेक्शन चला रहा है क्या पता? एक भाई है, एक बहन है। हैं तो वास्तव में दोनों आत्मा आत्मा भाई-भाई। रुद्रमाला के मणके आपस में क्या हैं? आत्मा-आत्मा भाई-भाई। लेकिन ज्यादा जोर जबरदस्ती पुरुष चलाते हैं या स्त्रियाँ चलाती हैं? पुरुष अपनी जोर जबरदस्ती चलाते हैं। और कुछ नहीं कम से कम दुर्योधन-दुःशासन बनने में तो जरूर चलायेंगे।

Time: 16.26-18.03
Student: Baba, the beads of the *Rudramaalaa*[4] will take on a male body. So, will they [take on] a male body for 21 births?
Baba: They **will** take on male bodies? Some beads of the *Rudramaalaa* are in female bodies. So, if those who are in female bodies become the firm [beads] of the *Rudramaalaa*, then they will get a male body because they have the *sanskaars* of masculinity for many births. They do not have the *sanskaars* of a woman, [the *sanskaars*] of being subordinate. Some must be experiencing here as well. What? Their husband may try to *control* them to whatever extent, but they will be out of *control*. Be it Prajapita and Prajamata themselves. The *sanskaar* will definitely be visible. (Student: It will be against shrimat.) It will be against *shrimat*? What will be against shrimat? (Student: If you start your own directions against Baba, then it will certainly be against [shrimat], will it not ?) You start your own direction? Well, who knows who is issuing his own directions? One is brother and the other is sister. In reality, both the souls are brother among themselves. What are the beads of the *Rudramaalaa* among themselves? They are souls in the form of brothers. But do men use more force or do women use force? Men use force. If not anything else, they will definitely use force in becoming Duryodhan and Dushasan[5].

[4] The rosary of Rudra
[5] Villainous characters in the epic Mahabharata

समयः 18.55-21.10

जिज्ञासुः बाबा, भक्तिमार्ग में श्री कृष्ण के गुरु संदीपनी ऋषि बतायें हैं। तो उसका क्या अर्थ होगा?

बाबाः सं माना संपूर्ण, दीपन माना दीप्त होने वाला। जैसे दीपक होता है ना। तो दीपक क्या करता है? रोशनी देता है। ऐसे ही संपूर्ण दीप्त, संपूर्ण रूप से जलने वाला। संपूर्ण रूप से ज्यादा रोशनी कौन देता है? सूर्य देता है। माना कृष्ण को जो ज्ञान देने वाला था वो कौन था? स्वयं प्रजापिता था। सुप्रीम सोल आ करके सूर्य को ज्ञान देता है। क्या? भगवान आ करके ज्ञान पहले-पहले किसको देता है? (सभी ने कहा - सूर्य को देता है।) सूर्य को ज्ञान देता है। और सूर्य ने किसको दिया? सतयुग में जो उसका बच्चा पैदा होगा, कृष्ण बच्चा, उसी को बैठ ज्ञान देता है। माना शिव प्रवेश करता है शंकर में, और शंकर सवारी करता है बैल ब्रह्मा में। फिर बापदादा दोनों बच्चों में प्रवेश करते हैं। (जिज्ञासु - शिव नहीं करता, बापदादा करते हैं।) एकव्यापी है (या) सर्वव्यापी है? (सबने कहा - एकव्यापी है।) या तो एक बात करो या तो कहो कि सर्वव्यापी है। सर्वव्यापी है तो अनेकों में प्रवेश साबित होगा। अब सर्वव्यापी है ही नहीं। वो तो एकव्यापी होकर आता है। सबका एक ही बाप है। तो सबमें प्रवेशता कहाँ से साबित हो जाएगी? (जिज्ञासु - ब्रह्मा में तो करता है।) अम्मा के रूप में करते हैं कि बप्पा के रूप में करते हैं? अरे, प्रवेश करते हैं तो अम्मा के रूप में कि बाप के रूप में? (बहुतों ने कहा- अम्मा के रूप में।) फिर? बाप की ताकत और अम्मा की ताकत में अंतर नहीं है? (जिज्ञासु - बहुत अंतर है।) हाँ।

Time: 18.55-21.10

Student: Baba, in the path of *bhakti*, it is mentioned that Shri Krishna's guru was Sandipani *rishi*. What will be its meaning?

Baba: Yes. *Sam* means *sampoorna* (complete), *deepan* means the one who is illuminated. Just as there is lamp, isn't there? So, what does a lamp do? It gives light. Similarly, the one who is completely illuminated the one who burns completely. Who gives more light in a complete form? The Sun gives it. It means that who gave knowledge to Krishna? It was Prajapita himself. The Supreme Soul comes and gives knowledge to the Sun. What? Whom does God come and give knowledge to first of all? (Everyone said: He gives it to the Sun.) He gives knowledge to the Sun. And to whom did the Sun give it? He sits and gives knowledge to the child Krishna who will be born to him in the Golden Age. It means that Shiva enters Shankar and Shankar rides on the bull Brahma. Then both Bap and Dada enter the children. (Student: Shiva doesn't enter. Bapdada enters.) Is He *ekvyaapi* (present in one) or is He *sarvavyapi* (omnipresent)? Say one thing or say that He is omnipresent. If He is omnipresent, then it will be proved that He enters many. Well, He is not omnipresent at all. He comes as *ekvyaapi*. Everybody's father is only one. So, how will the entrance be proved in everybody? (Student: He does enter Brahma.) Does He enter [Brahma] in the form of a mother or in the form of a father? *Arey*, does He enter [him] in the form of a mother or in the form of a father? (Many said: in the form of a mother.) Then? Is there no difference between the strength of the father and the strength of the mother? (Student: There is a lot of difference). Yes.

समय: 23.10-24.53

जिज्ञासु: बाबा, बाबा कहते हैं कि कन्याओं माताओं को उठाने आया हूँ। परिवार वाले पढ़ाई पढ़ने के लिए...। तो क्या करें?

बाबा: ये ईश्वरीय पढ़ाई? (जिज्ञासु- हाँ, ईश्वरिय पढ़ाई।) ईश्वरिय पढ़ाई पढ़ने को कौन मना कर सकता है? ईश्वरिय पढ़ाई तो...। भट्ठी कर ली कि नहीं? (जिज्ञासु- कर ली है भट्ठी बाबा।) भट्ठी कर ली ना। भट्ठी कर ली, बाबा कहते- एक बार भट्ठी करो भले विलायत में चले जाओ जिंदगी भर के लिए। पढ़ाई चालू रहेगी।

जिज्ञासु: क्लास नहीं करेंगे तो बाबा आके बैठने नहीं देंगे।

बाबा: मत करो क्लास, बाबा के साथ बैठो याद में। बाबा के साथ तुम्हारा क्लास हो गया। वो तुमको नहीं आने देते तो खुशी-खुशी मत आओ। बाबा की याद में रहो।

जिज्ञासु: चुप-चाप चले जाओ तो पीछे चले आते हैं।

बाबा: तो तुम उनकी इच्छा के बगैर आते ही क्यों हो? एक टाईम ऐसा आवेगा कि जैसे यज्ञ के आदि में हुआ था। जिनके बड़े-2 बंधन थे सात-2 तालों के अंदर रखे गए उनके बंधन भी कट गए तो तुम्हारा क्या बड़ा बंधन है अभी। (किसी ने कहा- कुछ भी नहीं।) हाँ। जब टाईम आएगा तो बंधन खुल जायेंगे और आप बाबा के पास पहूँच जायेंगे।

Time: 23.10-24.53

Student: Baba, Baba says: I have come to uplift the virgins and the mothers. The family members …. to study the knowledge. So, what to do?

Baba: The Divine (*iishwariya*) knowledge? (Student: yes, Divine knowledge.) Who can stop you to study the Divine knowledge? The Divine knowledge… Did you undergo *bhatti* or not? (Student: I did the *bhatti*, Baba.) You underwent *bhatti*, didn't you? You underwent *bhatti*, Baba says: once you undergo the *bhatti*, then you may go abroad for your entire life, the study will go on.

Student: Baba, if we don't do class, we won't be allowed to come and sit here.

Baba: Don't do the class, sit in remembrance along with Baba; your class was done along with Baba. If he doesn't let you to come [here] then don't come remain happy. Remain in Baba's remembrance.

Student: If I come secretly, he follows me.

Baba: Then, why do you come against his wish? Such a time will come, just as it happened in the beginning of the *yagya*. Those who were in a lot of bondage, who were locked up in seven locks, even their bondages broke. So, [when compared to that] what is you bondage now? (Someone said: nothing.) Yes. When the time comes, you will become free from bondages and will reach close to Baba. ... (to be continued.)

Extracts-Part-3

समयः 25.00-25.30

जिज्ञासुः बाबा, हर दिन खाना खाने की चीज़ जो है वो पवित्र खाना नहीं मिलता है। क्या करें बाबा?

बाबाः पवित्र खाना नहीं मिलता तो पवित्र खाना बनाओ। कोई कहते हैं हमें दूसरों के हाथ का खाना मिलता है। हमें पवित्र खाना नहीं (मिलता)। अरे तुम्हारे हाथ नहीं हैं क्या? कहते हैं हाथ तो हैं लेकिन यूरिया वाला खाना मिलता है। अरे तो भी तुम्हारे हाथ हैं।

Time: 25.00-25.30
Student: Baba, we don't get pure food to eat everyday; what should we do Baba?
Baba: If you do not get pure food, then prepare pure food. Some say: we get food cooked by others. We do not [get] pure food. [Baba says:] *Arey*, don't you have your own hands? They say: we do have hands, but we get the food mixed with *urea*. *Arey,* still you have your hands.

समयः 25.35-26.18

जिज्ञासुः बाबा, घर में मेहमान आते हैं, उनके सामने मुरली सुननी चाहिए या नहीं?

बाबाः मेहमानों को पहले कोर्स देओगे तभी तो मुरली सुनाओगे।

जिज्ञासुः बाबा, मुरली मिस हो जाती है हमारी।

बाबाः मुरली मिस हो जाती है तो बाबा को याद तो कर लेते हैं कि नहीं?

जिज्ञासुः कर लेते हैं।

बाबाः तो करो बस। याद में सब कुछ समाया हुआ है। मुरली भी समाई हुई है, धारणा भी समाई हुई है, सेवा भी समाई हुई है। एक याद का सब्जेक्ट अगर पक्का है तो चारों सब्जेक्ट पक्के हैं। तीन सब्जेक्ट पक्के हैं, याद में फेल तो फेल कहा जावेगा।

Time: 25.35-26.18
Student: Baba, when guests come to our home, should we listen to the murli in front of them or not?
Baba: First give *course* to the guests; only then will you make them listen to the murli.
Student: Baba, we miss our murli.
Baba: If you *miss* the murli, do you remember Baba or not?
Student: Yes, we do.
Baba: So, do it, that's all. Everything is merged in remembrance. Murli is merged in it, *dhaarana*[6] as well as service is merged in it; if the *subject* of remembrance is firm, then all the four subjects are firm. If three subjects are firm, and if you fail in remembrance, then you will be said to have failed.

[6] Assimilation of divine virtues

समयः 26.29-27.11

जिज्ञासुः बाबा, जो रुद्रमाला के 108 मणके हैं। जो अष्टदेव हैं वो छोड़ के बाकी के जो 100 हैं वो सब संगमयुग में विरोधी बनते हैं क्या बाप के?

बाबाः आठ नहीं विरोधी बनते हैं?

जिज्ञासुः नहीं-नहीं, 8 को छोड़ के। वो तो पास विद ऑनर हैं ना।

बाबाः पास विद ऑनर तो हैं लेकिन आखरी जन्म में जा करके विरोधी बनते हैं कि नहीं? माया किसी को छोड़ती है क्या? 8 में से जो पहला है उसको माया छोड़ देती है क्या? (जिज्ञासु: नहीं छोड़ती।) उसको भी नहीं छोड़ती। यज्ञ के आदि में वो भी फेल हो गया। उसको तो पहले ही पढीलती है।

Time: 26.29-27.11
Student: Baba, among the 108 beads of the *Rudramaalaa*, do the hundred except the eight deities become opponents of the Father in the Confluence Age?
Baba: Don't the eight become opponents?
Student: No, no; except the eight. They pass with honour, don't they?
Baba: They do *pass with honour*. But do they become opponents in the last birth or not? Does Maya leave anyone? Does Maya leave the first one among the eight? (Student: she does not leave.) She does not leave him either. He too failed in the beginning of the *yagya*. She defeats him in the beginning itself.

समयः 27.20-28.50

जिज्ञासुः बाबा, सतयुगी कृष्ण का स्थूल रूप में कब होगा जन्म?

बाबाः जब सतयुग आएगा तब जन्म होगा। सतयुगी कृष्ण का सतयुग में ही जन्म होगा। (जिज्ञासु - सतयुग में होगा?) और क्या संगमयुग में हो जाएगा? (जिज्ञासु - नहीं।) फिर?

जिज्ञासुः सतयुग में होगा?

बाबाः सतयुग में होगा।

Time: 27.20-28.50
Student: Baba, when will the Golden Age Krishna be born in a physical form?
Baba: He will be born when the Golden Age comes. The Golden Age Krishna will be born in the Golden Age itself. (Student: Will he be born in the Golden Age?) If not [in the Golden Age], will he be born in the Confluence Age? (Student: no.) Then?
Student: Will he be born in the Golden Age?
Baba: [He will be born] in the Golden Age.

समयः 27.58-28.30

जिज्ञासुः बाबा, मुरली जब हम सुनते हैं तब अज्ञानी आकर बैठते हैं तो उस समय क्या करना चाहिए?

बाबाः जनरल नॉलेज सुनाना चाहिए। मुरली सुनाना बंद कर दो। (जिज्ञासु- बंद करना है?) हाँ। उनको कोर्स की बातें सुनाओ। बाबा का परिचय देना शुरु कर दो। नहीं तो वो तुम्हारी मुरली का गलत अर्थ उठायेंगे। मुरलियों में भी तो कई मुरली ऐसी हैं जो जनरल लोगों को सुनाने की है। वो कैसट लगा दो।

Time: 27.58-28.30
Student: Baba, when we listen to the murli (VCDs), outsiders come and sit with us; so what should we do at that time?
Baba: You should narrate *general knowledge* to them. Stop the murli. (Student: should we stop it?) Yes. Narrate the topics of course to them. Start giving Baba's introduction to them. Otherwise, they will misinterpret your murli. Even among the murlis there are many of such murlis which can be played for the *general public*. Play those cassettes.

समयः 28.40-30.55
जिज्ञासुः बाबा, त्रिमूर्ति के साथ मैं आता है। माना तीसरा मूर्ति में प्रवेशता होती है क्या शिव की?
बाबाः माना बाप जो है तीसरी मूर्ति में प्रवेश नहीं करता? (जिज्ञासु- मुरली में नहीं है।) मुरली में नहीं है? माना मुरली में लिखा होगा तभी मानेंगे? अगर मुरली का अर्थ निकलता होगा कि तीसरी मूर्ति में ही प्रवेश करता है बाप के रूप में और दो मूर्तियों में बाप के रूप में प्रवेश नहीं करता है... कहीं मुरली में आया है कि ब्रह्मा में और विष्णु में मैं बाप के रूप में प्रवेश करता हूँ? (किसीने कुछ कहा।) फिर? ब्रह्मा को भी पढ़ाई पढ़ाने वाला कौन था साकार में? (जिज्ञासु - शिव।) शिव तो बिन्दी है बिन्दी कैसे पढ़ाएगी? (जिज्ञासु - साकार।) साकार था ना। उससे ही साबित हो गया। वो साकार यज्ञ की आदि में भी किसी से नहीं दबता था। न दीदी से, न दादियों से और न ब्रह्मा से। जो आदि में भी किसी से नहीं दबता था, कंट्रोल करता था सबको। तो अंत तक कंट्रोल करेगा या नहीं करेगा? (जिज्ञासु - करेगा।) करेगा।

Time: 28.40-30.55
Student: Baba, [it is said in the murli:] I come along with the three personalities. Does it mean that Shiva enters the third personality as well?
Baba: Does it mean that the Father does not enter the third personality? (Student: it isn't mentioned in the murli.) It is not mentioned in the murlis? Does it mean that you will accept something only if it is written in the murli? If the murli can be interpreted to mean that He enters only the third personality in the form of a father and He doesn't enter the other two personalities in the form of a father; has it been mentioned anywhere in the murli that I enter Brahma and Vishnu in the form of a father? (Someone said something.) Then? Who was Brahma's teacher in a corporeal form? (Student: Shiva.) Shiva is a point. How can a point teach? (Student: the corporeal one.) There was a corporeal [form], wasn't there? This itself proves. That corporeal personality never used to be dominated by anyone even in the beginning of the *yagya*. Neither by the *didis*, neither by *dadis*, nor by Brahma. The one who did not used to be dominated by anyone even in the beginning and used to *control* everyone, will he *control* till the end or not? (Student: He will.) He will.

दूसरा जिज्ञासुः वो विष्णु को तीसरी मूर्ति बता रहे हैं।
बाबाः विष्णु जो तीसरी मूर्ति है, वो तीसरी मूर्ति नहीं है। दूसरी मूर्ति रखी हुई है। चित्र में समझाने के लिए। इस तरह समझाना है। ब्रह्मा द्वारा स्थापना। शंकर द्वारा विनाश। फिर विष्णु द्वारा पालना। पालना जो है वो प्रैक्टिकल से होती है अच्छी। प्रैक्टिकल कोई उल्टा व्यवहार करे, उल्टा आचरण करे और दूसरों से ये चाहे कि अच्छी पालना होती रहे तो हो जाएगी? बिल्कुल नहीं होगी।

Another Student: She is describing Vishnu as the third personality.
Baba: Vishnu, the third personality, is not the third personality. It has been shown as the second personality in the picture. For the sake of explanation you have to explain like this: Establishment through Brahma, destruction through Shankar then sustenance through Vishnu. Good sustenance can be possible through the *practical* one. If someone acts in an opposite manner in practice, acts inappropriately and expects good sustenance from others, then will it happen? It will not happen at all.

समयः 30.56-32.40
जिज्ञासुः एक भाई ने मधुबन से किताब लायी था। तो उसके अन्दर बाबा का फोटो था। पहली बार देखा। तो क्या बाबा अभी प्रत्यक्ष होने लगे थोड़ा-थोड़ा ऐसा? हो जाएंगे जल्दी।
बाबाः चित्रों से बाबा प्रत्यक्ष हो जाता है? पोस्टर छपा दो। उससे बाबा प्रत्यक्ष हो जाएगा? अपनी चलन से, अपने चेहरे से, रूहानियत से बाबा प्रत्यक्ष होगा, बच्चों की रूहानियत से या ऐसे ही चित्र छपा देने से प्रत्यक्ष हो जाएगा? इससे पहले हैदराबाद वालों ने भी छपा दिया था। फिर प्रत्यक्ष हो गया? (जिज्ञासु ने कुछ कहा।) चलो जितना भी छपाया ।

Time: 30.56-32.40
Student: A brother had brought a book from Madhuban. So, Baba's photo was contained in it. I saw it for the first time. So, has Baba's revelation started slowly in this way? He will be revealed soon.
Baba: Is Baba revealed through pictures? Publish posters; will Baba be revealed through that? Baba will be revealed through your activity, through your face, through spirituality, through the spirituality of the children or will He be revealed just by printing pictures? Earlier those from Hyderabad had also printed [posters with Baba's picture.] So, was He revealed? (Student said something.) It doesn't matter how much they had published.

दूसरा जिज्ञासुः बाबा, अभी बोले ना तुम्हारे चलन से, चेहरे से। तो कल बाबा ने मुरली में बोला कि बाप क्या सर्वव्यापी है क्या? दादी सर्वव्यापी करना चाहती है उसको।
बाबाः चलन से, चेहरे (से) का मतलब प्रवेशता वाली बात कहाँ बताई? बाप के बच्चे हैं तो बच्चे कैसे होने चाहिए? हेविनली गॉड फादर के बच्चे हैं तो हेविन में होना चाहिए या नर्क में होना चाहिए? (जिज्ञासु - हेविन में।) तो जो हेविनली गॉड फादर के बच्चे हैं उनमें चलन अच्छी होनी चाहिए या खराब होनी चाहिए? (जिज्ञासु - अच्छी होनी चाहिए।) तभी तो साबित

होंगे कि बाप के बच्चे हैं। चलन उल्टी-उल्टी है, कहते हैं हम भगवान के बच्चे हैं तो कौन मानेगा?

Another student: Baba, just now you said that [He will be revealed] through your activity, through your face. But, yesterday Baba said in the murli: is the Father omnipresent? *Dadi* wants to make Him omnipresent.
Baba: 'Through activity, through face' the topic of the entrance [of the Father] was not mentioned. When you are the Father's children, how should the children be? If you are the children of *heavenly God* the *Father*, then should you be in *heaven* or should you be in hell? (Student: in heaven.) So, should the activity of the children of *heavenly God* the *Father* be good or bad? (Student: It should be good.) Only then will it be proved that they are the Father's children. If your activity is opposite and if you say that you are the Father's children, then who will believe [this]? ... (to be continued.)

Extracts-Part-4

समयः 32.50-35.20

जिज्ञासुः बाबा, एम.पी. सतना से एक माताजी आई है। वो माताजी ने आलरेडी भट्ठी किया है। वन वीक हो गया था इधर आके। तो मुझे मालूम था आप इधर आए हैं। तो मैंने फोन करके उनको इधर बुलाया। आपको मिलके जाने के लिए परमीशन देंगे तो मिलेंगे ऐसे बोल रहीं हैं।
बाबाः माता तो भट्ठी कर चुकी ना। (जिज्ञासु - हां।) तो अच्छी बात है। मिले।

Time: 32.50-35.09
Student: Baba, a mother has come from Satna, M.P. That mother has already completed *bhatti*. It has been one week since she came here. I knew that you have come here. So, I rang up to her and called her here. She is saying that if you grant permission she would like to meet and then depart.
Baba: That mother has completed *bhatti*, hasn't she? (Student: Yes.) So, it is good. She can meet [Baba].

जिज्ञासुः उनका आपके साथ मिलन नहीं हुआ था।
बाबाः जिन्होंने भट्ठी कर ली है वो आज नहीं तो कल मिल तो जाएंगे ही। मिलना ही है। ऐसा लौकिक दुनियां में ऐसा होता है क्या कि बच्चा पैदा हो तुरंत बाप का मिलना ही मिलना हो? आजकल तो सब हास्पिटल में पैदा हो रहे हैं। अम्मा अचेत हो जाती है। आगे-पीछे मिलते रहेंगे। वहाँ बी.के में तो मिलने की बात ही नहीं है। वहाँ तो शरीर ही छोड़ गये। और यहाँ तो? यहाँ शरीर तो नहीं छोड़ दिया। आज नहीं तो कल मिलना ही है।
जिज्ञासुः लेकिन वो माता इधर ही आई है बाबा।
बाबाः इधर ही आ जाए। नज़दीक आकर बैठ जाए। क्या बात है? ये तो जो नियम कानून हैं उसमें समाया हुआ है ना। भट्ठी कर ली है तो बाबा के बच्चे बन गए। अरे, बिना शरीर छोड़े कोई व्यक्ति नए बाप का बच्चा बनता है क्या? (जिज्ञासु - नहीं बनता।) शरीर छोड़ता है,

फिर 9 महीने गर्भ में पकता है। पकने के बाद फिर पैदा होता है। यहाँ भी ये भट्ठी है 9 दिन की। एक दिन जाना, एक दिन आना और 7 दिन की भट्ठी। ये नौ दिन ज्ञान गर्भ में पकना पड़े। पकने के बाद कोई निश्चयबुद्धि हो करके जन्म ले लेते हैं, निश्चयबुद्धि हो जाते हैं। बच्चे का हक है बाप से मिलना। मिलना भी है। बाप का वर्सा लेना भी है।

Student: She didn't meet you [earlier].
Baba: Those who have done *bhatti* will definitely meet [Baba] tomorrow, if not today. They have to certainly meet. Does it happen in the *lokik* world that a child meets the father as soon as he is born? Nowadays everyone is being born in hospitals. The mother becomes unconscious. You will keep meeting [him] sooner or later. There is no question of meeting there in BK. There he (Brahma Baba) has left the body itself. And what about here? He has not left the body here. If not today, you are bound to meet [him] tomorrow.
Student: But Baba that mother has come here itself.
Baba: Let her come here. Let her come and sit close. What is the problem? It is within the rules and laws, isn't it? When someone has done the *bhatti*, he has become Baba's child. *Arey*, does anyone become a new father's child without leaving his body? (Student: No.) It leaves its body, and then it incubates in the womb for nine months. It is born after completing incubation. Even here this is a *bhatti* for nine days. One day for going (reaching the destination), one day for coming back (from *bhatti*) and seven days for *bhatti*. You will have to incubate in the womb of knowledge for these nine days. After completing incubation, some are born, they develop a faithful intellect. It is the right of the child to meet the Father. He has to meet [the Father] as well as obtain the Father's inheritance.

समयः 35.35-40.20
जिज्ञासुः बाबा, सतयुग-त्रेता में दिन-रात का चक्कर रहता ही नहीं ना। तो फिर....
बाबाः वहाँ भी रात होनी चाहिए? यहाँ तो रात इसलिए होती है कि थकान होती है। तो थकान मिटाने के लिए रात में सो जाते हैं।
जिज्ञासुः वो ही पूछने वाला था सतयुग त्रेता में ऐसा...
बाबाः वहाँ थकान होती है देवताओं को? (जिज्ञासु - नहीं।) थकान तो होती नहीं। तो रात की क्या जरूरत? (जिज्ञासु- आराम वगैरा करते...) माना आपको रात चाहिए, आराम चाहिए?
जिज्ञासुः 2500 साल तक आत्मा सोती नहीं क्या बिल्कुल भी?
बाबाः वहाँ आत्मा को सोने की दरकार ही नहीं है। सदैव चैतन्य रहती है। जैसे उत्तरी ध्रुव और दक्षिणी ध्रुव पर भी मिसाल है। छह महीने वहाँ दिन हो जाता है। ऐसे ही आधा कल्प तक दिन ही दिन रहेगा। चन्द्रमां लोप हो जाएगा। ये चन्द्रमां अभी है घटती कला का और चढ़ती कला का इस दुनियां में। चन्द्रमां माने कौन? ब्रह्मा। ब्रह्मा की सोल वहाँ जागती ज्योति रहेगी 2500 साल या कमती बढ़ती रहेगी? (जिज्ञासु - जागती ज्योति।) जागती ज्योति रहेगी।

Time: 35.35-40.20
Student: Baba, there is no cycle of day and night in the Golden and the Silver Ages at all. So, then...

Baba: Should there be night there as well? Here, there is night because there is tiredness. You sleep in the night to remove tiredness.
Student: That is what I wanted to ask that in the Golden Age and the Silver Age....
Baba: Do deities feel tired there? (Student: No.) There is no tiredness at all. Where is the necessity for night then? (Student: to take rest etc…) It means that you want night, rest☺.
Student: Doesn't the soul sleep for 2500 years at all?
Baba: There is no need for the soul to sleep there at all. It always remains conscious (*caitanya*). For example, the North Pole and the South Pole. There is day for six months there. Similarly, there will be just day for half a cycle. The Moon will vanish. There is the Moon in this world which passes through decreasing and increasing celestial degrees. Who is the Moon? Brahma. Will the soul of Brahma remain enlightened for 2500 years there or will it keep waxing and waning? (Student: enlightened.) It will remain enlightened.

दूसरा जिज्ञासुः बाबा, आपने कहा कि वो लगातार चैतन्य रहेगी। इसका मतलब स्वर्ग में कंटिन्युअस वो कुछ न कुछ कार्य करते ही रहेंगे?
बाबाः अरे! वहाँ काम करते हैं या आनन्द करते हैं? (जिज्ञासु ने कहा-काम तो करते हैं लेकिन कंटीन्यू...) काम करते हैं?
दूसरा जिज्ञासुः आत्मिक स्थिति है। उसमें तो कुछ काम करने की जरूरत ही नहीं है।
बाबाः अरे, डांस करेंगे कि नहीं? आजकल बड़े-बड़े आफीसर क्या चाहते हैं? आफिस में से बुरी तरह से निकल के भागना चाहते हैं सर पर पांव रखके। कब क्लब में पहुँचें। वो ही होगा वहाँ।
दूसरा जिज्ञासुः नहीं, इसका मतलब ये है क्या कि कोई भी शुभ कार्य हो, कोई भी कार्य हो...
बाबाः वहाँ कार्य कुछ करते ही नहीं।
दूसरा जिज्ञासुः कार्य के लिए कर्मेन्द्रियों की जरूरत होती है।
बाबाः वहाँ कोई कर्मेन्द्रियों से काम करने की दरकार ही नहीं।
दूसरा जिज्ञासुः वहाँ तो आत्मिक स्थिति है। वो आत्मिक स्थिति में जब होते हैं तो आत्मिक स्थिति में तो चैतन्य है या नहीं है इसका पता...
बाबाः चैतन्य है या नहीं है? जब आत्मिक स्थिति है तो चैतन्य ही है। देहभान की स्थिति है ही नहीं। देह माने जड़।

Another student: Baba, you said that it will remain continuously conscious. Does it mean it will keep doing some work continuously in heaven?
Baba: *Arey*, do they work there or do they enjoy? (Student: they do work but continuously...) Do they work?
Another student: There is the soul conscious stage. There is no need to work in that.
Baba: *Arey*, will they *dance* or not? Nowadays, what do the big officers wish to do? They want to run away from the office badly, they want to take to their heels. They want to reach the club as soon as possible. That is what will happen there.
Another student: No, does it mean that whether it is an auspicious task or any task...
Baba: They do not perform any task there at all.

Another student: *Karmendriyaa*[7] are required to perform tasks.
Baba: There is no need to perform any task through any *karmendriyaa* there at all.
Student: There is the soul conscious stage there. When they are in the soul conscious stage, then one [cannot] understand whether they are conscious (*caitanya*) or not.
Baba: Whether they are conscious or not? When they are in the soul conscious stage, they are definitely conscious. There is no stage of body consciousness at all. Body means non-living.

दूसरा जिज्ञासुः जब देह ही नहीं है तो थकने की...
बाबाः देह है। लेकिन देह की स्थिति नहीं है। देह का भान नहीं है। जहाँ देह का भान होता है वहाँ दुनियां भर के कारखाने पैदा हो जाते हैं।
दूसरा जिज्ञासुः नहीं। आत्मिक स्थिति का मतलब ये ना कि देहभान से परे। तो वहाँ थकने का कोई प्रोब्लम ही नहीं ना।
बाबाः हाँ, जी-2।
दूसरा जिज्ञासुः तो अगर वहाँ शरीर है तो एक ही जगह भी बैठ सकते हैं।
बाबाः माने वहाँ भी हठयोग चाहिए? (जिज्ञासु - ऐसा नहीं है) हाँ ऐसा ही।
दूसरा जिज्ञासुः वो ही तो मैं पूछ रहा हूँ कि कंटिन्यू घूमते ही रहते हैं?
बाबाः पेड़ बनके खड़े रहो।
दूसरा जिज्ञासुः नहीं, अभी तो हमें शरीर का ध्यान है इसलिए जब हमें थकान महसूस हो तो हम कहीं न कहीं बैठ जाते हैं, सो जाते हैं।

Second student: When there isn't the body at all, then the question of tiredness...
Baba: The body exists. But the stage of the body does not exist. There isn't body consciousness. Where there is body consciousness, a variety of factories come up there.
Another student: No. Soul conscious stage means that they are beyond body consciousness. So, there is no question of becoming tired there at all, is there?
Baba: Yes.
Another student: So, if there is the body there, then they can sit at one place as well, can't they?
Baba: Does it mean that you want *hathyog* there as well☺? (Student: It is not so.) Yes, it is so. ☺
Another student: That is what I am asking that do they keep moving continuously?
Baba: Keep standing like a tree. ☺
Another student: No, now we have the awareness of the body; this is why when we feel tired, we go and sit somewhere or sleep.

बाबाः आजकल की दुनियां में ऐसे हठयोगी नहीं होते हैं पेड़ की तरह एक जगह खड़े रहते हैं?
दूसरा जिज्ञासुः नहीं, नहीं। जब शरीर का भान नहीं है तो क्या घूमते ही रहते हैं क्या, ऐसा मैं पूछ रहा हूँ।

[7] Parts of the body used to perform action

बाबाः अरे खेलेंगे, खाएंगे, कूदेंगे। और क्या करेंगे? मस्ती मारेंगे। चित्रकारी करेंगे। संगीत गायेंगे । बांसुरी बजाएंगे, चैन की बंसी बजाएंगे। और क्या करेंगे? (जिज्ञासु - मौज ही मौज करेंगे ।) मौज ही मौज है।

जिज्ञासुः आत्मिक स्थिति रहती है तो वो कृष्ण की दृष्टि राधा में, राधा की दृष्टि कृष्ण में जाती है वो आत्मिक दृष्टि है उसमें देहभान का कुछ अंश मात्र नहीं।

बाबाः हां, जी। हाँ, जी। देहभान है ही नहीं।

जिज्ञासुः आकर्षण है।

बाबाः वो शुद्ध आकर्षण है। इसे कहते हैं एक का एक में आकर्षण। अव्यभिचारी। अव्यभिचारी लगन है। व्यभिचारी लगन माने तमोप्रधान होने लगें ।

Baba: Are there not such *hathyogis* in today's world who stand like a tree at one place?
Another student: No, no. When there is no consciousness of the body, then do they keep moving? This is what I am asking.
Baba: *Arey*, they will play, eat and jump. What else will they do? They will make merry. They will do painting. They will sing songs. They will play flute. They will live in comfort. What else will they do? (Student: they will just enjoy.) There is just enjoyment.
Student: When there is the soul conscious stage, then Krishna sees only Radha and Radha sees only Krishna. So it is a soul conscious vision. There is no trace of body consciousness in it at all.
Baba: Yes, yes. There is no body consciousness at all.
Student: There is attraction.
Baba: That is pure attraction. This is called attraction of one towards one. [It is] unadulterated. It is unadulterated devotion. Adulterated devotion means that they started becoming *tamopradhaan*. ... (to be continued.)

Extracts-Part-5

समयः 40.30-41.40

जिज्ञासुः बाबा, हमारे घर में रात को दीदी आई थी दो भाई साथ लेकर।

बाबाः कौन?

जिज्ञासुः दीदी।

बाबाः हाँ।

जिज्ञासुः उन्होंने बोला तुम क्यों क्लास में जाकर सेवा करती है? और सेन्टर पर नहीं आना चाहिए। मैंने बोला वो ईश्वरीय विश्व... प्रजापिता ब्रह्माकुमारी नाम जो लिखा है वो बुझा दो। तुम्हारा नाम डाल दो। मैं नहीं आएगी।

बाबाः हाँ। ईश्वरीय विश्व विद्यालय क्यों लिखा है आपने? ईश्वरीय माने ईश्वर सबका है या किसी एक का है, एक का नहीं?

जिज्ञासुः मैंने बोला विश्व के विद्यालय में मैं आती हूँ। तो उन्होंने बोला तुम नहीं आना चाहिए। मैंने बोला तुम्हारा नाम लिख दो वो बुझा दो। मैं नहीं आऊँगी।

बाबाः नहीं आएंगी। फिर? नहीं माना।

जिज्ञासुः नहीं माना।

Time: 40.30-41.40
Student: Baba, *didi* (a BK teacher) had come along with two brothers to our home last night.
Baba: Who?
Student: Didi.
Baba: Yes.
Student: She said: Why do you do service (of giving advance knowledge) by going to [BK] class? You should not come to the [BK] center. I said: Remove the name *Ishwariya Vishwa Prajapita Brahmakumari*. Write your own name. I will not come.
Baba: Yes. Why have you written *Ishwariya Vishwa Vidyalaya?* As regards *Ishwar* (God), does *Ishwar* belong to everyone or does He belong to one person and does not to belong to someone else?
Student: I said: I come to God's school. So, she said: You should not come. I said: Write your name [on the board]. Remove the [written] name. I will not come.
Baba: [You said:] I will not come. Then? Did she not accept?
Student: She did not accept.

बाबाः धींगा मस्ती।

जिज्ञासुः धींगा मस्ती कुछ नहीं। हम कम्प्लेन्ट करेंगे बोले वो लोग।

बाबाः कहाँ कम्प्लेन्ट करेंगे?

जिज्ञासुः पुलिस कम्प्लेन्ट करेंगे।

बाबाः बहुत अच्छी बात है। लड़ाई हो। बढ़िया मज़ा आएगा। पुलिस वालों को भी पता चलेगा, ये ईश्वरीय विश्व विद्यालय इन्होंने क्यों लिखा हुआ है।

जिज्ञासुः नाम लिखते अलग, काम करते दूसरा।

बाबाः हाँ, जी।

Baba: *Dhingaa masti* (fisticuffs, brawl).
Student: They did not indulge in fisticuffs. [They said] that they will lodge a complaint.
Baba: Where will they lodge a complaint?
Student: Police complaint.
Baba: It is very good. Let there be a fight☺. It will be very enjoyable. The policemen will also come to know why they have written *Iswariya Vishwa Vidyaalay*.
Student: What they write is different from what they do.
Baba: Yes.

समयः 42.05-42.40

जिज्ञासुः बाबा, हमारे यहाँ क्लास नहीं चलता। हम संगठन क्लास को महीने में एक बार जाते हैं। तो रेगुलर है क्या क्लास?

बाबाः चलेगा। कितनी दूर है?

जिज्ञासुः चालीस कि.मी. है।

बाबाः हाँ तो चलेगा। दो महीने में एक बार क्लास कर लेते हो संगठन क्लास वो भी ठीक है रेगुलर है। एक महीने में..., बंगलौर वाले शुरुआत से लेकर अब तक भी महीने में एक बार संगठन करते हैं। और उनको नशा चढ़ा रहता है। वो तो लोकल संगठन हो जाता है।

Time: 42.05-42.40
Student: Baba, classes are not organized at our place. We attend the *sangathan* class once in a month. So, is it considered a regular class?
Baba: It is ok. How far is it?
Student: It is forty kilometers.
Baba: Then it is ok. Even if you attend the *sangathan* class once in two months it is ok. It is *regular*. Once in a month… Those from Bangalore have been attending classes once in a month from the beginning till now. And [still] they remain intoxicated. That is a *local sangathan*.

समयः 42.56-44.05

जिज्ञासुः बाबा, अभी तक रास्तापेठ में युगल नहीं निकले हम सब माताएं ही माताएं हैं।

बाबाः अच्छी बात है।

जिज्ञासुः युगल रहे तो फिर आप भी आएंगे। युगल रहे तो अच्छा रहता।

बाबाः माताएं ही माताएं हैं तो शक्ति भवन बना लें।

जिज्ञासुः शक्ति भवन तो बनाया। संगठन भी किया कल। कल 18-19 जन हम संगठन किया।

बाबाः और क्या?

दूसरा जिज्ञासुः उसको फिर सन्यास आश्रम कहते हैं क्या सिर्फ माताएं होती हैं तो?

बाबाः तो क्या होता है?

दूसरा जिज्ञासुः सन्यास आश्रम नहीं कहेंगे ना उसको?

बाबाः सन्यास आश्रम काहे का? शिवबाबा तुम्हारा नहीं? भूल जाते हैं? ले लो, गया काम से।☺शिवबाबा को निकालके अलग कर दिया।

Time: 42.56-44.05
Student: Baba, couples (*yugal*) have not emerged [in knowledge] from Rastapeth so far. All of us are just mothers.
Baba: It is good.
Student: If there are couples, then you will also come. It will be good if there are couples.
Baba: If there are just mothers, then they can set up a *shakti bhavan* (a place of gathering of mothers and virgins).
Student: We have set up a *shakti bhavan*. We had organized a *sangathan*, too, yesterday. Yesterday about 18-19 of us had organized a *sangathan*.
Baba: What else?
Second student: If there are just mothers, will it be called a *sanyaas ashram*?

Baba: So, what?
Second student: It will not be called a *sanyaas ashram*, will it?
Baba: How is it a *sanyas ashram*? Doesn't Shivbaba belong to you? Do you forget [Him]? Look, you have lost everything. She has separated Shivbaba☺.

दूसरा जिज्ञासुः कोई-कोई उसको सन्यास आश्रम कहते हैं।
बाबाः कोई-कोई से क्या मतलब है? ये बुद्धि में तो आपके आया कि ये सन्यास आश्रम है। कोई की बुद्धि में तो आया नहीं। (किसी ने कहा - हमारी बुद्धि में आया ।) (किसी ने कहा - कोई कुछ भी कहे हम क्यों कहे ऐसा?) कोई कुछ भी कहे। हमारे अन्दर तो शिवबाबा बसा हुआ है। (किसी ने कहा- हम क्यों ऐसा कहें?) हाँ। नाम शक्ति नहीं है। शिवशक्ति। हाँ।
जिज्ञासुः शिवशक्ति भवन नाम दिया है ना?
बाबा: हाँ, हाँ, ठीक है अच्छी बात है।

Second student: Some people call it a *sanyas ashram*.
Baba: Does it matter if some say it? It came in your intellect that it is a *sanyaas ashram*. It did not come in the intellect of anyone else. (Someone said: It did not occur in my intellect.) (Someone said: Let anyone say anything; why should we say so?). Let anyone say anything. Shivbaba is certainly in our mind. (Someone said: why should we say so?) Yes. The name is not [just] *shakti*. It is *Shivshakti*. Yes.
Student: It is named *Shivshakti Bhavan*, isn't it?
Baba: Yes, yes. Ok, it is good. … (to be continued.)

Extracts-Part-6

समयः 00.40-02.20

जिज्ञासुः बाबा, 2004 तक कलियुगी शूटिंग खत्म हो जाता है ना। उसके बाद से क्या चलता है शूटिंग पीरियड में?
बाबाः कितनी बार पूछा जाएगा? पहली मूर्ति को प्रत्यक्ष होने के लिए कितना टाइम लगा? (जिज्ञासु - 14-16 साल।) अरे, पहला सेवाकेन्द्र कब खुला ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय? 52-53 में। कितने साल हुए? 16 साल हो गए। 16 साल में ब्रह्मा की मूर्ति प्रत्यक्ष होने में टाइम लग गया। ऐसे ही दूसरी मूर्ति प्रत्यक्ष होने में कितना टाइम लगा? (जिज्ञासु - 7-8 साल।) 8 साल लग गया। 77 में सम्पूर्णता वर्ष हुआ। ऐसे ही तीसरी मूर्ति प्रत्यक्ष होने में कितना टाइम लगना चाहिए? (जिज्ञासु - 3-4 साल।) चार साल लगना चाहिए। तो 2004 के बाद शूटिंग का टाइम खतम होता है। 2008 में पूरा होता है। 2008 पूरा होते ही जो वैष्णवी है, जो पार्ट है वो अपने कुल में, अपने परिवार में पहले प्रत्यक्ष होगा

या पहले सूर्यवंशियों में प्रत्यक्ष हो जाएगा? (जिज्ञासु - अपने कुल में।) अपने कुल में, अपने परिवार वालों के बीच में प्रत्यक्ष हो जाएगा।

Time: 00.40-02.20
Student: Baba, the Iron Age shooting ends in 2004, doesn't it? What happens after that in the shooting period?
Baba: How many times will this be asked? How much time did it take for the first personality to be revealed? (Student: 14-16 years.) *Arey*, when was the first service center *Brahmakumari Ishwariya Vishwa Vidyalay* opened? In 52-53. How many years passed? 16 years. It took 16 years for the personality of Brahma to be revealed. Similarly, how much time did it take for the second personality to be revealed? (Student: seven-eight years.) It took eight years. The year of perfection was celebrated in 77. Similarly, how much time should it take for the third personality to be revealed? (Student: three-four years.) It should take four years. So, the time for *shooting* ends after 2004. It ends in 2008. As soon as 2008 is over, will Vaishnavi, will her *part* be revealed in her clan, in her family first or will it be revealed among the *Suryavanshis*[8] first? (Student: In her clan.) It will be revealed in her clan, among her family members [first].

समयः 02.24-05.38
जिज्ञासुः बाबा, बाहर की दुनियां में बताते हैं कि जो ब्रह्माण्ड है वो जो ग्रह हैं वो अपने रास्ते पर घूम रहे हैं। वो सूर्य के गुरुत्वाकर्षण के कारण ही अपने रास्ते पर घूम रहे हैं। और अभी बता रहे हैं कि सूर्य को जो गुरुत्वाकर्षण है वो धीरे-धीरे कमती होते जा रहे हैं और ग्रह एक दूसरे के रास्ते में आ जा रहे हैं।
बाबाः शिवोहम् होते जा रहे हैं।
जिज्ञासुः इसलिए वो आपस में टकराकर विनाश होने वाला है। इसका बेहद का मतलब क्या है?
बाबाः टकराएंगे नहीं? टकराना नहीं चाहिए? पता कैसे चले कौनसा ज्यादा पावरफुल है? सब धर्म खलास हो जावेंगे। सब मन्दिर, मस्जिद, गिरिजाघर गिर जावेंगे। एक ही बड़ा मन्दिर रह जावेगा। टकरावेंगे नहीं तो कैसे पता चलेगा? सब कह रहे हैं, हम भगवान हैं, हम भगवान हैं। मेरे अन्दर शिवबाबा आता है। हमको फालो करो। हमारी बात मानो। एक की बात मत मानो। तो टकराव होना जरूरी है या न होगा तो भी चलेगा? जरूरी है। होने दो।

Time: 02.24-05.38
Student: Baba, it is said in the outside world that planets of the universe are rotating in their orbits. They are rotating in their orbits due to the gravitational force (*gurutwaakarshan*) of the Sun. And now it is being reported that the gravitational force of the Sun is reducing gradually and the planets are coming in the way of other planets.
Baba: They are becoming *Shivohum* (I am Shiv).
Student: This is why they are going to clash with each other and be destroyed. What does it mean in an unlimited sense?

[8] Those belonging to the Sun dynasty

Baba: Will they not clash? Should they not clash? How will it be known that who is more *powerful*? All the religions will perish. All the temples, mosques, churches will collapse. Only one big temple will survive. If they do not clash, how will it be known? Everyone is saying, 'I am God, I am God. Shivbaba comes in me. Follow me. Listen to me. Don't listen to the One.' So, should there be clash or will it do even if a clash does not take place? It is necessary. Let it happen.

दूसरा जिज्ञासुः अभी अखबार में डेट भी दे दिया, 21 दिसम्बर 2012.
बाबाः हाँ, जी।
दूसरा जिज्ञासुः तो हम लोगों के ब्राह्मणों की दुनियां में भी कुछ होने वाला है। ब्राह्मणों की दुनियां में होगा तब तो बाहर की दुनियां में होगा ना।
बाबाः पृथ्वी की धुरी ही चेंज हो जावेगी। पृथ्वी जो ऐसी झुकी हुई है वो दूसरे...। जैसे बताया मुरली में कि बैल के सींगों पर पृथ्वी टिकी हुई है। जब बैल थक जाते हैं तो यूं करके उसको उलट देते हैं। दूसरे सींग पे चली जाती है। तो धुरी चेंज हो जाएगी ना। अब यहाँ पृथ्वी चैतन्य है या कोई जड़ है? चैतन्य पृथ्वी अभी असुरों का आसरा ले करके काम कर रही है या देवताओं का आसरा ले करके, राम सम्प्रदाय का आसरा ले करके कार्य कर रही है? आसुरी सम्प्रदाय में है। वो धुरी चेंज कर लेगी।
तीसरा जिज्ञासुः गीता का भगवान शिव शंकर भोलेनाथ को मान लेगी।
बाबाः उसके मानने से काम चलेगा या ब्रह्मा के मानने से काम चलेगा? (जिज्ञासु - ब्रह्मा के मानने से।) मूल कौन है? मूल अम्मा कौन है? जगदम्बा को ही अम्मा समझ लिया? वो तो डब्बा है। वास्तव में ये ब्रह्मा तुम्हारी जगदम्बा है। सहनशक्ति का पार्ट किसने बजाया? डब्बा ने बजाया या उसमें रहने वाले हीरे ने बजाया? ब्रह्मा ने बजाया। तो वास्तव में ये ब्रह्मा तुम्हारी जगदम्बा है। परन्तु तन पुरुष का है। इसलिए इनके द्वारा गेट नहीं खोले जा सकते। स्वर्ग के गेट नारी चोले के द्वारा खुलेंगे।

Another student: Now, they have also given the date in news, 21st December, 2012.
Baba: Yes.
Another student: So, something is going to happen in the world of us Brahmins as well. It will happen in the outside world if it happens in the world of Brahmins, will it not?
Baba: The axis of the Earth itself will *change*. The Earth, which is bent like this, will... For example it has been said in the murli: The Earth is standing on the horns of a bull. When the bull feels tired, then it shifts it like this (Baba is showing with gestures). It goes to the other horn. So, the axis [of the Earth] will *change*, will it not? Now, is it a living Earth or a non-living Earth here? Is the living Earth working with the support of demons now or is it working with the support of deities, with the support of those belonging to Ram's community? It is in demoniac community. It will *change* its axis.
A third student: It will accept Shiva Shankar Bholenaath to be God of the Gita.
Baba: Will it work if she accepts or will it work if Brahma accepts? (Student: If Brahma accepts.) Who is the origin? Who is the original mother? Did you consider Jagadamba herself to be the mother? She is a box. Actually, this Brahma is your Jagdamba. Who played the *part*

of the power of tolerance? Did the box play it or did the diamond living in it play it? Brahma played it. So, actually this Brahma is your Jagdamba. But the body is that of a male. This is why the *gate* cannot be opened through this one. The gates of heaven will be opened through a female body.

चौथा जिज्ञासुः योगिनी बहन और सूर्यवंशियों वालों की माता बोले ना। माने सूर्यवंशियों में दिखाई देंगे योगिनी बहन।

बाबाः हाँ, जी।

चौथा जिज्ञासुः योगिनी बहन तो निमित्त बैठे है ना। माना सूर्यवंशियों वालों की अम्मा बनी है ना।

बाबाः हाँ, जी। फाउण्डेशन डालने वाले कौन हैं? सूर्यवंशी, चन्द्रवंशी, इस्लामवंशी? अरे, फाउण्डेशन डालने वाले कौन हैं?

चौथा जिज्ञासुः सूर्यवंशी, चन्द्रवंशी।

बाबाः चन्द्रवंशी भी हैं? अभी चन्द्रवंश निकला है? (जिज्ञासु - नहीं निकला।) फिर?

A fourth student: You spoke of sister Yogini and the mother of *Suryavanshis*, didn't you? It means that sister Yogini will be visible among the *Suryavanshis*.
Baba: Yes.
A fourth student: Sister Yogini is made instrument. It means that she is the mother of the *Suryavanshis*.
Baba: Yes. Who lays the *foundation*? *Suryavanshi, Candravanshi*[9]*, Islamvanshi*[10]? *Arey*, who lays the *foundation*?
A fourth student: *Suryavanshi, Candravanshi.*
Baba: Are the *Candravanshis* also included? Has the Moon dynasty (*candravansh*) emerged [in knowledge] now? (Student: No, it hasn't.) Then?

समयः 06.35-07.50

जिज्ञासुः मन को कैसे कंट्रोल किया जा सकता है?

बाबाः ब्रह्मा बाबा से पूछो। ☺ (जिज्ञासु ने कुछ कहा।) ये बात तो उन शास्त्रकारों ने भी लिख दी है। अर्जुन ने पूछा भगवान से - भगवान ये मन बहुत दुर्निग्रहम चलम्। बहुत चंचल है। बहुत कठिनता से बस आने वाला है। कैसे करें? ये तो कंट्रोल होता ही नहीं। तो उन्होंने बताया - अभ्यासेन तु कौन्तेय। बार-बार याद का अभ्यास करो। वैराग्येण - इस दुनियां से वैराग्य लाओ। जो कुछ इन आँखों से देख रहे हैं वो सब कल खलास होने वाला है। जब कल खलास होने वाला है वो आज से ही हम खलास कर दें ना। आप मुए मर गई दुनियां। तो अपने आप मन कंट्रोल हो जाएगा। अभी तो बुद्धि में बैठा हुआ है ना दुनियां 36 तक चलेगी।

[9] Those belonging to the Moon dynasty
[10] Those belonging to the Islam dynasty

Time: 06.35-07.50
Student: How can the mind be controlled?
Baba: Ask Brahma Baba.☺ (Student said something.) This has been written by those writers of scriptures as well. Arjun asked God: God, it is very hard to control (*durnigraham calam*) this mind. It is very inconstant. It comes under control with a lot of difficulty. How should I do that? It does not come under control at all. So, He said: *Abhyasen tu kaunteya* (O son of Kunti, through practice). Practice remembrance again and again. *Vairagyen:* Develop detachment for this world. [Think:] whatever is visible through these eyes is going to perish tomorrow. Why not end [from our mind] today itself what is going to be destroyed tomorrow? When you die, the world is dead for you. So, your mind will come under control automatically. Now it is in your intellect that the world will survive till 2036, isn't it?

समयः 09.00-10.05
जिज्ञासुः दक्षिण दिशा के जो पर्वत होते हैं उसमें जो नदी से पानी बहती है वो सूख जाता है।
दूसरा जिज्ञासुः हिमालय से जो नदियाँ निकलती हैं वो बहती रहती हैं।
बाबाः वहाँ बर्फ ज्यादा जमी रहती है। (जिज्ञासु - बेहद में क्या?) बेहद में जो बर्फ जमी रहती है वो बाद में पिघलेगी या पहले ही पिघल जाएगी? दक्षिण भारत में इतने ऊँचे हैं ही नहीं पहाड़ जो उनपे लम्बी चौड़ी बरफ जमे। तो बहने का सवाल ही नहीं है ज्यादा। बरसाती पानी वो ही बहता रहता है। वो ही सूख जाता है। ये ही बेहद में लगा दो। ब्रह्मा बाबा है पहाड़ हिमालय। बेहद की बर्फ जमी हुई है। जब बरफ पिघलेगी तो पहले पिघलेगी या लास्ट में पिघलेगी? लास्ट में पिघलेगी। तो अंत तक पानी बहता ही रहेगा।

Time: 09.00-10.05
Student: The rivers flowing from the mountains towards the south dry up.
Another student: The rivers that emerge from the Himalayas always keep flowing.
Baba: There is more ice there. (Student: what is it in an unlimited sense?) In the unlimited sense [it means:] will the ice that is frozen melt later on or will it melt beforehand itself? The mountains in south India are not so high that a huge amount of ice could freeze on them. So, there is no question of more [water] flowing from them at all. Rain water keeps flowing from them. The same [water] dries up; apply the same in an unlimited sense. Brahma Baba is the mount Himalaya. There is unlimited ice frozen [on it]. When the ice starts melting, will it melt in the beginning or in the end? It will melt in the end. So, the water will keep flowing till the end. ... (to be continued.)

Extracts-Part-7

समयः 10.50-15.15
जिज्ञासुः शाहजहाँ का पार्ट तो बाबा का ही है ना।
बाबाः जो जहाँ का शाह होगा उसी का पार्ट होगा। जहाँन का शाह जो होगा उसी का पार्ट होगा। जो सारे जहाँन का शाह होगा उसका ताज कौन होगा? पवित्रता का ताज कौन होगा? जिसका नाम दिया हिस्ट्री में मुमताज।
जिज्ञासुः वैष्णवी देवी ना?

बाबाः फिर?

दूसरा जिज्ञासुः बाबा उसमें वैष्णों देवी तो पहले शरीर छोड़ देती है।

बाबाः तो उससे क्या होता है? वैष्णवी देवी शरीर छोड़ देती है? जिंदा रहने वाली पहले शरीर छोड़ देती है।

दूसरा जिज्ञासुः आत्मा बाबा।

बाबाः आत्मा कहीं शरीर छोड़ती है?

दूसरा जिज्ञासुः मुमताज का पार्टधारी।

बाबाः तो क्या हुआ? यहाँ नहीं हुआ ऐसे ही? अनिश्चयबुद्धि होना माना शरीर छोड़ देना।

Time: 10.50-15.15
Student: It is Baba who plays the part of Shah Jahan, isn't it?
Baba: The one who is the emperor (*shaah*) of the world (*jahaan*) will himself play that *part*. The one who is the emperor of the world will himself play that *part*. Who will be the crown (*taaz*) of the emperor of the entire world? Who will be the crown of purity? The one who has been named Mumtaz[11] in the *history*.
Student: It is Vaishno Devi, isn't it?
Baba: Then?
Another student: Baba, Vaishno Devi leaves her body first.
Baba: So, what? Does Vaishnavi Devi leave her body? The one who remains alive leaves her body first.
Another student: Baba, I am speaking about the soul.
Baba: Does the soul leave the body?
Another student: the one who plays the part of Mumtaz.
Baba: So, what? Did it not happen like this here? To have a doubtful intellect means to leave the body.

तीसरा जिज्ञासुः हैदर अली टैली नहीं हुआ।

बाबाः हैडर अली क्या हुआ?

तीसरा जिज्ञासुः बाबा का पार्ट है कि नहीं टैली नहीं हुआ।

बाबाः जबरदस्ती कोई पार्ट ठूँसा जाता है - ये इसका पार्ट है, ये उसका पार्ट, ये उसका पार्ट है? प्रूफ नहीं होना चाहिए कोई?

दूसरा जिज्ञासुः बाबा, जो बच्चे हैं उनको प्रूफ की क्या जरूरत?

बाबाः अच्छा? बिना प्रूफ प्रमाण के बुद्धिमान लोग मानने के लिए तैयार नहीं होते। जो बुद्धिमान बाप के बुद्धिमान बच्चे होंगे... बुद्धिहीन होंगे, वो बिना प्रूफ प्रमाण के मान लेंगे। जो बुद्धिमान बाप के बुद्धिमान बच्चे होंगे, बिना प्रूफ प्रमाण के कोई बात नहीं मानेंगे।

दूसरा जिज्ञासुः प्रूफ का बाबा मिल जाएगा ।

बाबाः गा, गा, गा, गा, गया। ☺ लाओ निकाल के।

A Third student: We are unable to tally the part of Hyder Ali.

[11] wife of Mughal Emperor Shah Jahan in whose memory the Taj Mahal was built

Baba: What happened to Hyder Ali?
A Third student: We are unable to tally whether it is Baba's part or not.
Baba: Does anyone fix someone's part forcibly that this is the *part* of this one, this is the *part* of that one, and this is the *part* of that one? Should there not be any *proof*?
Another student: Baba, why do the children require any *proof*?
Baba: *Acchaa*? Intelligent people do not accept without proofs. The intelligent children of the intelligent Father… the unintelligent ones will accept without proofs. Those who are the intelligent children of the intelligent Father will not accept anything without proofs.
Second student: Baba, we will get the proofs.
Baba: *Ga, ga, ga, ga, gaya* (will, will, will, will, went). Bring the proofs.

दूसरा जिज्ञासुः बाबा, जैसे बाबा के पार्ट के बारे में जल्दी निश्चय बैठ जाता है, पूर्व जन्म के संस्कार के हिसाब से उसको निश्चय बैठ जाता है।
बाबाः सबका बाप होगा तो जल्दी निश्चय बैठ जाएगा।
दूसरा जिज्ञासुः उसी तरह जिसका पार्ट होगा, जो उसके पार्ट को पहले से देखा होगा।
बाबाः पहचानने वाले भी तो नम्बरवार हैं ना। जिन्होंने पहले पहचाना होगा, उनकी बुद्धि में जल्दी बैठेगा। जिन्होंने पहचाना ही नहीं पहले, उनकी बुद्धि में जल्दी कैसे बैठ जावेगा?
चौथा जिज्ञासुः छोटी मम्मी दूसरे धर्म में जन्म लेगी?
बाबाः भारत माता नाम दिया है। फिर जगतमाता से कनेक्टेड कैसे हो जावेगी? जगतमाता है। (जिज्ञासु - जैसे अभी मुमताज का बताया।) अरे बाप के साथ रहना दूसरे धर्म होता है क्या? (जिज्ञासु - बाप के साथ, बोल रहा हूँ।) हाँ, बाप के साथ रहना, उसे दूसरा धर्म कहते हैं क्या?

Another student: Baba, someone develops faith on Baba's part quickly on the basis of the *sanskars* of the past birth.
Baba: If he is the father of everyone, then they will develop faith quickly.
Another student: Similarly, the one who has seen his part in the past…
Baba: Those who recognize are number wise too, aren't they? The intellect of those who had recognized first will understand sooner. How will it sit sooner in the intellect of those who had not recognized him first at all?
A Fourth student: Will the junior mother (*choti mummy*) have birth in other religions?
Baba: She has been named *Bharat Mata* (mother India). Then how will she be connected to *Jagat mata* (the world mother)? She is *Jagat mata*. (Student: For example it was said about Mumtaz just now.) *Arey*, does it mean being part of other religions if she is with the father? (Student: I am saying along with the Father.) Yes, is living with the father termed as being part of other religions?

चौथा जिज्ञासुः बाप जब दूसरे धरम में होगा तो उस समय तो हो सकती है ना।
बाबाः तो बाप दूसरे धर्म में होता है या सतोप्रधान स्टेज होती है? अंधश्रद्धा, अंधविश्वास को वहन करना ये भगवान का काम है क्या? ये मूर्तियों की पूजा करना अंधविश्वास, अंधश्रद्धा है या भगवान का काम है? किसका काम है? (जिज्ञासु - भक्तों का।) भक्तों का? भगवान का काम नहीं है? अरे भगवान भक्ति सिखाता है या ज्ञान सिखाता है? (जिज्ञासु - ज्ञान।) तो ज्ञान, मूर्तियों की पूजा, जड़ मूर्तियों की पूजा करना - ये ज्ञान है?

पांचवां जिज्ञासुः कोई भी जड़ मूर्ति का पूजा करना अज्ञान है।

बाबाः बिल्कुल सही बात है।

पाँचवाँ जिज्ञासुः भक्तिमार्ग में तो...

बाबाः भक्तिमार्ग में तो रावण काम करता है।

पाँचवाँ जिज्ञासुः राम वाली आत्मा भक्ति नहीं करती?

बाबाः रामवाली आत्मा कहाँ भक्ति करती है? अभी भक्ति कर रही है किसी की? अभी शूटिंग पीरियड में कोई देहधारी की भक्ति कर रही है? (जिज्ञासु - नहीं कर रही।) फिर? जब यहाँ नहीं कर रही तो वहाँ करेगी?

A Fourth student: She can be in other religions when the father is in other religions, can't she?
Baba: So, is the father in other religions or in a *satopradhan* stage? Is it the task of God to sustain blind veneration and faith? Is the worship of idols called blind faith, blind veneration or is it God's task? Whose task is it? (Student: It is the task of devotees.) Of devotees? Is it not the task of God? *Arey*, does God teach *bhakti* or knowledge? (Student: knowledge.) So, is it knowledge to worship idols, non-living idols?
A Fifth student: It is ignorance to worship any non-living idol.
Baba: It is correct.
A Fifth student: In the path of *bhakti*…
Baba: In the path of *bhakti* it is Ravan who makes [us] work.
Fifth student: Doesn't the soul of Ram do *bhakti*?
Baba: The soul of Ram doesn't do *bhakti*. Is it doing the *bhakti* of anyone now? Is it doing the *bhakti* of any bodily being during the *shooting period* now? (Student: It isn't.) Then? When it is not doing here, will it do there?

तीसरा जिज्ञासुः जब राम ही रावण बनता है तब करती है।

बाबाः वो तो लास्ट की बात है।

तीसरा जिज्ञासुः माने तब भक्ति करते हैं?

बाबाः लास्ट में। जब कोई नहीं रहता है तब वो करता है।

A Third student: He does [*bhakti*] when Ram himself becomes Ravan.
Baba: That is about the *last* period.
A Third student: Does it mean that he does *bhakti* at that time?
Baba: In the *last* period. When nobody remains, then he does [*bhakti*].

समयः 15.17-16.10

जिज्ञासुः बाबा, मुरली में बोला है कि बाप पतित से पतित तन में आता है। तो राम वाला तो पतित नहीं है ना।

बाबाः तुम्हें क्या साक्षात्कार हुआ था कि सपना आया था राम वाली आत्मा पतित है कि नहीं? तुमने देखा क्या सपने में कि साक्षात्कार में? अनुमान से नुकसान होता है। अनुमान लगा के कोई बात नहीं बोलनी चाहिए। सारी दुनियां पतित है। पतित दुनियां में सब पतित होते हैं।

पावन दुनियां में सब पावन होते हैं। वो राम वाली आत्मा पतित होगी या पावन होगी? क्या होगी? (जिज्ञासु - पतित।) शिवबाबा पतित तन में आते हैं या पावन तन में आते हैं? (जिज्ञासु - पतित तन में।) पतित तन में आते हैं।

Time: 15.17-16.10
Student: Baba, it has been said in the murli that the Father comes in the most sinful body. So, Ram's body is not sinful, is it?
Baba: Did you have visions or did you have dreams regarding: is the soul of Ram sinful or not? Did you have a dream or a vision? Guessing brings harm. You should not speak on assumptions. The entire world is sinful. Everyone is sinful in a sinful world. Everyone is pure in a pure world. Will the soul of Ram be sinful or pure? What will it be? (Student: Sinful.) Does Shivbaba come in a sinful body or in a pure body? (Student: In a sinful body.) He comes in a sinful body. … (to be continued.)

Extracts-Part-8

समयः 16.17-18.50

जिज्ञासुः राम वाली आत्मा भक्ति नहीं सिखाती, ज्ञान सिखाती है।

बाबाः बिल्कुल। राम वाली आत्मा नहीं सिखाती है। शिवबाबा सिखाता है। भूल गए ।

जिज्ञासुः राम वाली आत्मा ब्रॉड ड्रामा में जो पार्ट बजाती है उसमें भी बताते हैं कि वो भक्ति करती नहीं, भक्ति को सपोर्ट भी नहीं करती।

बाबाः सपोर्ट करती नहीं है, लेकिन फिर भी, रावण की चपेट में आ जाती है। पता नहीं चलता। नहीं तो हिंसा का काम न करे। हिंसा की लड़ाइयाँ न लड़े। राम वाली आत्मा हिंसक युद्ध करती है या नहीं करती है? सारी सच्चाई का फॉलो करती है लेकिन ये पता नहीं है कि शिव प्रवेश हो करके ज्ञान देता है।

जिज्ञासुः भक्तिमार्ग में वो देवताओं का पूजा जो है, जैसे देवताएं तो परमात्मा की रचना है।

बाबाः हाँ, भक्तिमार्ग में क्या, वो तो ज्ञानमार्ग में भी कहते हैं। देवताओं को रचने वाला कौन है? भगवान।

Time: 16.17-18.50
Student: The soul of Ram does not teach *bhakti*; he teaches knowledge.
Baba: Definitely. The soul of Ram does not teach [knowledge]. Shivbaba teaches it. You have forgotten.
Student: As regards the part that the soul of Ram plays in the broad drama, it is said that he does not do *bhakti* or support *bhakti* even there.
Baba: He does not *support* [*bhakti*], still he comes in the grip of Ravan. He does not come to know of it. Otherwise, he would not have used violence. He would not have waged violent wars. Does the soul of Ram wage a violent war or not? He does *follow* truth completely, but he does not know that it is Shiva who enters and gives knowledge.
Student: As regards the worship of deities in the path of *bhakti*, the deities are creation of the Supreme Soul.
Baba: Yes, it is not only [said] in the path of *bhakti*; it is said in the path of knowledge as well. Who is the creator of the deities? God.

जिज्ञासुः तो मूर्तियों की पूजा करना तो अंधश्रद्धा, अंधविश्वास है।
बाबाः बिल्कुल है।
जिज्ञासुः फिर ये उनको मान्यता देना मूर्तियों को ये तो फिर परमात्मा की रचना को मानना हुआ।
बाबाः और क्या? मूर्तियों में क्या देवताएं बैठे हुए हैं? (जिज्ञासु-नहीं बैठे हुए हैं।) फिर? ये तो अंधश्रद्धा सिखाई है गुरुओं ने।
जिज्ञासुः जैसे राम मन्दिर को तोड़ के बाबरी मस्जिद बनाया।
बाबाः हाँ।
जिज्ञासुः तो बाबर ने बनवाया।
बाबाः है कहाँ की बात?
जिज्ञासुः सब इधर तो फाउन्डेशन पड़ता है।
बाबाः फिर? यहाँ तो चैतन्य बात है।

Student: So, to worship idols is blind faith and blind reverence.
Baba: It is definitely that.
Student: Then, to give respect to them, to the idols is giving respect to the creation of the Supreme Soul.
Baba: What else? Are deities sitting in the idols? (Student: they are not sitting.) Then? This is a blind faith that gurus have taught.
Student: For example, Ram temple was demolished to construct Babri mosque.
Baba: Yes.
Student: So, Babur built it.
Baba: It is about when?
Student: The foundation for everything is laid here.
Baba: Then? Here it is about the living [temple].

दूसरा जिज्ञासुः मान्यता देना और पूजा करना दो बात हो गई।
बाबाः क्यों मान्यता दें? क्यों पूजा करें जड़ मूर्तियों की?
दूसरा जिज्ञासुः ...ये पूर्वज हैं ये मान्यता देना...
बाबाः मूर्तियाँ थोड़े ही पूर्वज हैं।
दूसरा जिज्ञासुः यानी उनकी चैतन्य आत्मा पूर्वज है।
बाबाः वो चैतन्य आत्मा के बारे में कुछ जानते हैं? जानते तो कुछ भी नहीं। ये तो बाबा अभी हमको बता रहे हैं। ऐसे तो मुसलमान भी राम को मानते हैं। रामल्ला। मान्यता है कि नहीं रामल्ला की? राम जान।

Another student: Giving respect and worshipping are two different topics.
Baba: Why should we give respect? Why should we worship non-living idols?

Another student: …they are our ancestors.....
Baba: The idols are not [our] ancestors.
Another student: It means that their living souls are ancestors.
Baba: Do they know anything about the living souls? They do not know anything. It is Baba who is telling us now. In a way Muslims also believe in Ram. Ramalla; do they believe in Ramalla[12] or not? Ram jaan (Ramzan)[13].

समयः 18.57-20.35

जिज्ञासुः बाबा, आजकल जो साधु-संत निकले हैं और आत्मज्ञानी हैं, ब्रह्मज्ञानी बोलते हैं, और उसका कैसट निकले हैं। ज्ञान में चलने के बाद उसको सुनना सही है या...?

बाबाः एक से सुनना सही है या अनेकों से सुनना सही है? (जिज्ञासु - एक से।) एक से संबंध रखना सही है या अनेकों से संबंध रखना सही है? एक से इन्द्रियां जोड़े रहेंगे... कान भी तो इन्द्रियाँ हैं। एक से इन्द्रियाँ जोड़ के बैठेंगे, वो सही है या अनेकों से कान लगाएंगे वो ज्यादा सही है? (जिज्ञासु - एक से।) फिर? पूछने की दरकार ही नहीं है। हम एक से सुनेंगे। एक शिवबाबा दूसरा न कोई। दूसरों से सुना तो मुरली में बोला व्यभिचारी ज्ञान हो जावेगा।

दूसरा जिज्ञासुः मतलब इसका मूर्ति का पूजा मतलब बाबा शिवलिंग को भी मान्यता नहीं देना है?

बाबाः लिंग कोई चैतन्य होता है या मूर्ति है? मूर्ति तो जड़ होती है। शिव ने जिसमें प्रवेश किया वो चैतन्य था या जड़ था? (जिज्ञासु - चैतन्य।) चैतन्य था। हाँ, उसके रूप चार हैं - सतोप्रधान, सतोसामान्य, रजो और तमो। जिसकी यादगार में चार तरह के लिंग बनाते हैं। स्वर्णलिंग - सोने का लिंग, रजत लिंग - चाँदी का लिंग, ताम्र लिंग - तांबे का लिंग। कीमत कम होती जाती है। लौह लिंग, पत्थर लिंग।

Time: 18.57-20.35
Student: Baba, the sages and saints who have emerged nowadays, who are called *atmagyaani*[14], *brahmagyaani*[15] , their *cassettes* have been released; is it correct to listen to them after entering the path of knowledge?
Baba: Is it correct to listen to one or is it correct to listen to many? (Student: to one.) Is it correct to have relationship with one or to have relationship with many? If you keep the connection of your *indriya*[16] with one; ears are *indriya* too. Is it correct if you keep the connection of the *indriya* with one, or is it correct if you listen to many? (Student: to one.) Then? There is no need to ask at all. We will listen to one. One Shivbaba and no one else. If you listen to others then it has been said in the murlis that the knowledge will become adulterous.
Another student: We should not worship idols; does it mean we should not show acceptance to the *Shivling* either?

[12] A Muslim area
[13] Ninth month of the Muslim calendar when fast is observed.
[14] The one having the knowledge of the soul
[15] The one having the knowledge of *Brahm*
[16] Parts of the body

Baba: Is *ling* living or an idol? Idols are non-living. Was the one in whom Shiva entered living or non-living? (Student: living.) He was living. Yes, he has four forms: *satopradhaan, satosamaanya, rajo* and *tamo* in the memorial of which four types of *ling* are prepared. *Swarnaling* – golden *ling*; *Rajatling* – silver *ling*; *Taamraling* – copper *ling*. The price goes on decreasing. *Lohling* (*ling* made of iron), a *ling* of stone.

समयः 20.38-21.30

जिज्ञासुः बाबा, ज्ञान के पीरियड में ज्ञान को मान्यता देना और भक्ति के समय में, पीरियड में भक्ति को मान्यता देना अव्वल नंबर की। ये सही है या गलत?

बाबाः तमोप्रधान पीरियड में भी सतोप्रधान भक्ति करना - अव्यभिचारी, वो अच्छी बात है।

जिज्ञासुः अव्वल नंबर की ज्ञान को उठाना और भक्तिमार्ग में अव्वल नंबर की भक्ति को उठाना। सही है या गलत?

बाबाः हाँ, जी। अव्यभिचारी ज्ञान अव्यभिचारी भक्ति। संगमयुग में भी हो सकता है और भक्तिमार्ग में भी हो सकता है।

जिज्ञासुः अगर 63 जन्म में अव्यभिचारी भक्ति रही होगी तो इधर तो वो ही हो जाता है ना बाबा अव्वल नंबर की ज्ञान भी उठाएगा।

बाबाः बिल्कुल उठाएगा। नहीं तो औरों-औरों से सुनता रहेगा। सत्यानाश करता रहेगा। कहीं विष्णु पार्टी की बात सुनना, कहीं कोई की बात सुनना, कहीं कोई गुरु के पास धक्के खाना।

Time: 20.38-21.30
Student: Baba, to give importance to knowledge during the period of knowledge and to give importance to No.1 *bhakti* during the period of *bhakti*. Is this correct or wrong?
Baba: To do *satopradhaan,* unadulterated *bhakti* even during *tamopradhaan* period is good.
Student: To grasp No.1 knowledge and to grasp No.1 *bhakti* in the path of *bhakti*. Is it correct or wrong?
Baba: Yes. Unadulterated knowledge and unadulterated *bhakti*. It is possible in the Confluence Age as well as in the path of *bhakti*.
Student: Baba, if someone has done unadulterated *bhakti* in 63 births, then he will grasp No.1 knowledge as well, won't he?
Baba: He will definitely grasp it. Otherwise he will keep listening to the others. He will go on ruining [himself]. Sometimes he will listen to the Vishnu Party, sometimes he will listen to someone else; sometimes he will wander at some guru.

समयः 21.35-21.50

जिज्ञासुः बाबा, द्वापर से कलियुग अंत तक राम वाली आत्मा कभी कोई मूर्तिपूजा नहीं करती?

बाबाः किसकी पूजा करेगी? आखरी जन्म में भी वो शिवलिंग की पूजा करेगी। आखरी जन्म में भी राम की पूजा करेगी। आपे ही पूज्य, आपेही पुजारी। और किसकी करेगी?

Time: 21.35-21.50
Student: Baba, doesn't the soul of Ram worship any idol from the Copper Age till the end of the Iron Age?

Baba: Whom will he worship? Even in the last birth he will worship *Shivling*. Even in the last birth he will worship Ram. He himself becomes worship worthy and he himself becomes worshipper. Who else will he worship?

समयः 21.55-22.40

जिज्ञासुः बाबा, एक बात कन्फ्यूजन है। ब्रह्मा बाबा का जो चहेता बच्चा विश्वकिशोर भाऊ था या प्रकाशमणि दादी थी?

बाबाः प्रैक्टिकल जीवन में किसको देखा?

जिज्ञासुः प्रैक्टिकल जीवन में तो विश्वकिशोर भाऊ।

बाबाः वर्सा किसको देके गए?

जिज्ञासुः प्रकाशमणि दादी को।

बाबाः फिर? बच्चे को वर्सा दिया जाता है या बच्ची को दिया जाता है?

जिज्ञासुः तो उस समय बाबा जो सेकण्ड नारायण है तो उस समय विश्वकिशोर भाऊ नारायणी बन जाएंगे?

बाबाः बिल्कुल बनेंगे। ज्यादा ज्ञान किसमें था? विश्वकिशोर भाऊ में ज्यादा ज्ञान था या कुमारिका दादी में ज्यादा ज्ञान था? (जिज्ञासु - कुमारिका दादी।) वर्सा ज्ञान के आधार पर मिलता है या भक्ति के आधार पे मिलता है?

Time: 21.55-22.40
Student: Baba, I have a *confusion*. Was Brahma Baba's favourite child Vishwakishore Bhau or Prakashmani Dadi?
Baba: Whom did you find [to be his favourite] in the practical life?
Student: It was Vishwakishore Bhau in his practical life.
Baba: Whom did he give his inheritance and depart?
Student: Prakashmani Dadi.
Baba: Then? Is the son given inheritance or is the daughter given inheritance?
Student: So, Baba, will Vishwakishore Bhau become the second Narayani (i.e. Lakshmi) of the second Narayan?
Baba: He will certainly become that. Who had more knowledge? Did Vishwakishore Bhau have more knowledge or did Kumarika Dadi have more knowledge? (Student: Kumarika Dadi.) Is inheritance given on the basis of knowledge or on the basis of *bhakti*? (Concluded.)

……

Note: The words in italics are Hindi words. Some words have been added in the brackets by the translator for better understanding of the translation.